

मृत्यु ज्यों. कुंडली में लग्न से सातवाँ स्थान विलो. उदय।

अस्तकाल पुं. (तत्.) 1. अस्त होने का समय 2. पतन का समय 3. किसी बात, वस्तु या व्यक्ति के विचार से, वह समय जबकि उसके प्रताप, महत्व, वैभव आदि की समाप्ति या अंत होता है।

अस्तमित वि. (तत्.) दे. अस्तंगत ।

अस्तर पुं. (फा.) 1. नीचे का पल्ला 2. भितल्ला, जूते आदि के भीतर का तल्ला 3. सिले कपड़े या दोहरे कपड़े में नीचे का पल्ला 4. नीचे का रंग जिस पर दूसरा रंग चढ़ाया जाता है 5. जिल्द-बँधी पुस्तक में गत्ते के भीतर की ओर लगने वाला कागज।

अस्तव्यस्त वि. (तत्.) 1. उलटा-पुलटा 2. छिन्न-भिन्न 3. तितर-बितर।

अस्ताचल पुं. (तत्.) काव्य. एक कल्पित पर्वत जिसके विषय में मान्यता है कि अस्त होने से सूर्य इसके पीछे चला जाता है प्रयो. अस्ताचल ढले रवि, शशि-छवि विभावरी में देख रजनीगंधा जगी-निराला।

अस्ति स्त्री. (तत्.) 1. भाव, सत्ता होना 2. विद्यमानता, स्थिति।

अस्तित्व पुं. (तत्.) होने का भाव, सत्ता का भाव, विद्यमानता, मौजूदगी, सत्ता होने का भाव।

अस्तु अव्य. (तत्.) 1. ऐसी ही हो 2. भला 3. जो भी रहा हो, खैर।

अस्तेय पुं. (तत्.) चोरी न करना, चोरी न करने का व्रत। विलो. स्तेय।

अस्त्र पुं. (तत्.) 1. फेंक कर मारने का हथियार (भाला, प्रक्षेपास्त्र आदि) 2. वह हथियार जिससे फेंके गए हथियार को रोका जाए, ढाल 3. वह हथियार जो मंत्र बोलकर छोड़ा जाए 4. कोई भी आयुध या हथियार तुल. शस्त्र।

अस्त्रकार पुं. (तत्.) अस्त्र बनाने वाला कारीगर।

अस्त्रधारी पुं. (तत्.) अस्त्र धारण करने वाला, सैनिक।

अस्त्र लाघव पुं. (तत्.) अस्त्र चलाने में निपुणता।

अस्त्रविद्या स्त्री. (तत्.) 1. अस्त्र चलाने की कला या विद्या 2. वह शास्त्र जिसमें अस्त्रों की विविधता एवं कला इत्यादि का विवेचन हो।

अस्त्र-शस्त्र पुं. (तत्.) फेंक कर चलाए जाने वाले हथियार तथा हाथ में पकड़कर चलाए जाने वाले हथियार, सभी प्रकार के हथियार।

अस्त्रागार पुं. (तत्.) अस्त्र रखने का स्थान, अस्त्रों का भंडार, अस्त्रशाला, आयुधागार।

अस्त्रीक वि. (तत्.) 1. बिना स्त्री का 2. जिसकी पत्नी न हो, रंडुवा, विधुर।

अस्थायी वि. (तत्.) 1. जो सदा बना रहने वाला न हो 2. जो शीघ्र नष्ट हो जाए, जिसकी स्थिति कुछ समय के लिए हो 3. जिसमें परिवर्तन अपेक्षित न हो, जैसे- अस्थायी तैनाती। विलो. स्थायी temporary

अस्थि स्त्री. (तत्.) 1. हड्डी 2. प्राणि. रीढ़वाले जंतुओं के कंकाल का दृढ़ संयोजी ऊतक जिससे कंकाल बनता है, यह कोलैजन रेशों का जाल होता है जिसमें कैल्शियम फॉस्फेट आदि लवण होते हैं 3. फल की गुठली।

अस्थिपंजर स्त्री. (तत्.) 1. प्राणियों की देह को थामे रखने वाला हड्डियों का ढाँचा, कंकाल 2. किसी वस्तु का ढाँचा 3. बहुत दुर्बल व्यक्ति या प्राणी।

अस्थिपिंजर पुं. (तत्.) दे. अस्थि पंजर ।

अस्थि-प्रवाह पुं. (तत्.) किसी मृत व्यक्ति के दाह-संस्कार के बाद भस्मशेष को प्रवाह युक्त शुद्ध जल में प्रवाहित करना।

अस्थि-भंग पुं. (तत्.) आयु. किसी चोट के कारण अस्थि या उपास्थि का टूटना, हड्डी का टूटना fracture

अस्थिमज्जा पुं. (तत्.) आयु. हड्डी (अस्थि) के दृढ़ ऊतक या/तथा मज्जा का सूज जाना osteomyelitis